साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 2 | अंक : 09 गोंदिया : गुरुवार, 7 से 13 अक्टुबर 2021 ■ पृष्ठ : 4 ■ मूल्य : रु. 5

नगर परिषद के सभापतियो के चुनाव होंगे या नहीं इस पर भ्रम की स्थिति निर्माण

१६ अक्टूबर को हो रहा कार्यकाल खत्म, प्रशासन द्वारा अब तक जारी नहीं किए गए दिशा-निर्देश

गोंदिया नगर परिषद के विभिन्न विभागों के सभापतियो का कार्यकाल आगामी १६ अक्टूबर को समाप्त हो रहा है। किंतु इसके पश्चात आगामी कार्यकाल के लिए चुनाव होंगे या वर्तमान सभापतियो का कार्यकाल आगे बढ़ाया जाएगा। इस पर अब तक नगर प्रशासन विभाग द्वारा खुलासा नहीं किए जाने के चलते भ्रम की स्थिति निर्माण हो रही है।

गौरतलब है कि गोंदिया नगर परिषद में सभापतियों के चुनाव फरवरी माह में संपन्न होते हैं। किंतु वर्ष २०२० में नगर परिषद सभापतियों के चुनाव के दौरान गटनेता का विषय हाईकोर्ट में होने के चलते सभापतियों के चुनाव समय पर नहीं हो पाए थे। जिसके पश्चात १६ अक्टूबर को कोरोना संक्रमण के चलते ऑनलाइन पद्धति से संपन्न करवाए गए थे। जिनका कार्यकाल १६ अक्टूबर २०२१ को समाप्त हो रहा है। उल्लेखनीय है कि कोरोना के चलते ६ मई २०२१ को नगर विकास विभाग द्वारा जारी किए गए पत्र के अनुसार नगर परिषद, नगर पंचायत के स्थाई समिति व विषय समिति सभापति का कार्यकाल आगामी आदेश तक जारी रहेगा। साथ ही इस मामले में एक माह के पश्चात समीक्षा सभा आयोजित कर नए आदेश जारी किए जाएंगे। किंतु इस संदर्भ में विभाग द्वारा अब तक किसी भी प्रकार के दिशा निर्देश व आदेश जारी नहीं किए जाने के चलते गोंदिया नगर परिषद के सभापतियो के चुनाव आगामी कार्यकाल के लिए संपन्न होंगे अथवा वर्तमान सभापतियो को कार्यकाल बढ़ोतरी मिलेंगी।

किंतु महाराष्ट्र नगर परिषद, नगर पालिका, नगर पंचायत अधिनियम १९६५ की धारा ६८ के अनुसार स्थाई समिति व विषय समितियों के सदस्यों व सभापति का कार्यकाल १ वर्ष का ही होता है। नियमानुसार १ वर्ष के पश्चात उन्हें कार्य बढ़ोतरी नहीं दी जा सकती। उल्लेखनीय है कि गोंदिया नगर परिषद का वर्तमान कार्यकाल फरवरी २०२२ में खत्म हो रहा है जिसके चलते जनवरी या फरवरी माह में नगर परिषद के सार्वजनिक चुनाव होने की संभावना है तथा मात्र २ से ढाई माह के लिए सभापति पद के चुनाव होंगे या नहीं इस पर भी प्रश्न चिन्ह बना हुआ है।

नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव से की दिशा निर्देश की मांग

गोंदिया नगर परिषद के सभापति के चुनाव के संदर्भ में उपरोक्त विषय जिलाधिकारी गोंदिया के समक्ष रखा गया था। जिस पर जिलाधिकारी गोंदिया द्वारा इस मामले में नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव को पत्र लिखकर दिशा निर्देश की मांग की है। मंत्रालय द्वारा इस संदर्भ में प्राप्त दिशा निर्देश के अनुसार पशासन द्वारा प्रकिया की जाएंगी।

– करण चौहान
जिला प्रशासन अधिकारी, गोंदिया

जाली नियुक्ति पत्र देकर ३४ लाख की धोखाधड़ी

७ पर मामला दर्ज

गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम अदासी टांडा निवासी आरोपी द्वारा अपने छह अन्य साथियों के साथ मिलकर रेलवे के जाली नियुक्ति पत्र देकर अनेकों लोगों के साथ धोखाधड़ी कर ३४ लाख रुपये का चूना लगाया।

गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाने में उपरोक्त प्रकरण में फरियादी प्लॉट नंबर ३०, मोतीलाल नगर, दिघोरी नाका जिला परिषद स्कूल के पास नागपुर निवासी ४८ वर्षीय महिला ने शिकायत दर्ज करवाई कि ३ मार्च २०२१ से १५ मार्च २०२१ के दौरान आरोपी क्रमांक १ उत्तमचंद खांडेकर अदासी टांडा निवासी व उसके अन्य सहयोगियों द्वारा रेलवे का बड़ा अधिकारी होने की जानकारी देकर फरियादी व उनके परिजनों या परिचित के लोगों को रेलवे में नौकरी लगा दी जाएंगी तथा फरियादी व अन्य लोगों को रेलवे के जाली पहचान पत्र दिखाए जाने पर उन्हें विश्वास हो गया। जिस पर फरियादी व अन्य लोगों द्वारा नगदी व ऑनलाइन पैसे नौकरी लगाने के नाम पर दिए। किंतु पैसे देने के बावजूद उन्हें नौकरी नहीं लगी तथा तब तक उनसे ३४ लाख रुपए की वसूली आरोपी द्वारा कर रेलवे विभाग के नकली व जाली दस्तावेज सही सिक्कों के साथ के नियुक्ति पत्र दिए। जो ओरिजिनल होने के समान दिखाई दिए। किंतु उपरोक्त नियुक्ति पत्र के आधार पर फरियादी व उनके सहयोगियों को नौकरी नहीं मिल पाई। जिसके पश्चात आरोपी से पैसे कि वापस मांग किए जाने पर देख लेने की धमकी दी।

उपरोक्त प्रकरण में फरियादी की मौखिक शिकायत के आधार पर गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाने में आरोपियों के खिलाफ भादवि की धारा ४२०, ४६५, ४६८, ४७१, ५०४, ५०७, ३४ के तहत मामला दर्ज सहायक पुलिस निरीक्षक आसाराम चौहान द्वारा की जा रही है।

बढ़ते आपराधिक के मद्देनजर नागरिकों की सहायता के लिए

पुलिस ने जारी किया इमरजेंसी टोल फ्री क्रमांक ११२

गोंदिया – महाराष्ट्र राज्य में पुलिस विभाग द्वारा नागरिकों को आपातकालीन स्थिति में तत्काल सहायता प्राप्त हो, इसके लिए महाराष्ट्र इमरजेंसी रिस्पांस सिस्टम अभियान के अंतर्गत इमरजेंसी आकस्मिक टोल फ्री डायल क्रमांक ११२ की सेवा शुरु की गई है।

उपरोक्त सुविधा गोंदिया जिले में ३० सितंबर से लागू हुई है। जिले में बढ़ते अपराधिक मामलों पर नियंत्रण करने पुलिस की सेवा को चुस्त-दुरुस्त व प्रभावी बनाने तथा आपात स्थिति में फंसे नागरिकों की सहायता के लिए यह आपातकालीन सेवा टोल फ्री क्रमांक ११२ जारी किया गया है। उपरोक्त सेवा का जिले के नागरिकों द्वारा लाभ लेने की अपील जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे के द्वारा की गई है।

आरपीएफ स्थापना दिवस पर नुक्कड़ नाटक से जनजागृति

गोंदिया रेलवे सुरक्षा बल की स्थापना रेलवे संपत्तिा व यात्रियों की सुरक्षा के लिए की गई थी जिसकी स्थापना दिवस २६ सितंबर २०२१ के अवसर पर गोंदिया रेलवे स्टेशन पर बिलासपुर मुख्यालय की ओर से यात्रियों को सतर्कता एवं जागरुकता अभियान के अंतर्गत जन जागृति की गई ।आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर गोंदिया के मुख्य स्टेशन प्रबंधक सीआईडी एवं रेलवे के अन्य विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा यात्री उपस्थित थे।

विश्व सेवा सप्ताह अभियान अंतर्गत लायंस क्लब का सहयोग नेत्रालय में

नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

गोंदिया – विश्व सेवा सप्ताह २ से ८ अक्टूबर के दौरान प्रतिवर्ष लायंस क्लब द्वारा आयोजित कर विभिन्न सामाजिक कार्य किए जाते हैं जिसके तहत इस वर्ष रविवार ३ अक्टूबर को लायंस क्लब गोंदिया, लायंस क्लब गोंदिया सीनियर, लायंस क्लब गोंदिया मिटाउन के संयुक्त तत्वाधान में सहयोग हॉस्पिटल के सहयोग नेत्रालय में निशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया जिसमें सैकड़ों मरीजों की जांच की गई तथा उपरोक्त जांच में जरुरतमंद मरीजों की निशुल्क मोतियाबिंद शल्य क्रिया की जाएंगी। नेत्रजांच शिविर का शुभारंभ लायंस क्लब गोंदिया सीनियर के अध्यक्ष हुकुमचंद अग्रवाल, पुलिस निरीक्षक बबन आव्हाड, मुरलीधर माहोरे, भरत छत्रिय, नवीन अग्रवाल द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया इस अवसर पर कार्यक्रम की प्रस्तावना लायन कालूराम अग्रवाल द्वारा रखते हुए जानकारी दी गई कि लायंस क्लब द्वारा वर्ष भर विभिन्न सामाजिक कार्य निरंतर चलाए जाते हैं । विश्व सेवा सप्ताह के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जिसके अंतर्गत नेत्रजांच शिविर, नरसेवा नारायण सेवा के अंतर्गत भोजन व्यवस्था व अन्य कार्यक्रम लायंस क्लब के संयुक्त तत्वाधान में इस वर्ष आयोजित किए गए हैं। इस अवसर पर उपस्थित अतिथि हुकुमचंद अग्रवाल, बबन अ

आव्हाड द्वारा भी लायंस क्लब के कार्यों की सराहना कर शुभकामना दी गई। उपरोक्त नेत्रदान शिविर सहयोग नेत्रालय के सहयोग से आयोजित किया गया जिसमें डॉ प्रवीण दुवाधपाडे, डॉक्टर चंद्रकिशोर पारधी द्वारा भी जानकारी दी गई कि आयोजित शिविर में जांच कर जरुरतमंद मरीजों की मोतियाबिंद शल्यक्रिया निशुल्क की जाएंगी तथा नेत्र जांच के संदर्भ में जानकारी दी। उपरोक्त प्रोजेक्ट के चेयरमैन संतोष कायते स्नेहित रोकड़े तथा विश्व सेवा सप्ताह के परियोजना निदेशक सुनीता बसंत अग्रवाल, अर्चना संतोष कायते,सृष्टि अग्रवाल,रश्मि रोकड़े है तथा उपरोक्त कार्यक्रम के अवसर पर कालूराम अग्रवाल, प्रतीक कदम, स्नेहा कदम, निखिल अग्रवाल, अशोक अग्रवाल श्याम बाबा,संतोष कायते, प्रहलाद सार्वे सहित बड़ी संख्या में लायंस क्लब के सदस्य व सहयोग चिकित्सालय के डॉ व कर्मचारी उपस्थित थे। उपरोक्त नेत्र जांच शिविर के आयोजन के लिए सहयोग चिकित्सालय की कल्याणी बोपचे द्वारा विशेष सहयोग दिया गया। तथा कार्यक्रम का संचालन प्रतिक कदम व आभार प्रहलाद सार्वे ने माना।

जातीवाचक गालीगलोच व विनयभंग करने वाले आरोपिंयो को अटक करो

आज से अनिश्चितकाल के लिये सालेकसा बंद
बीजेपी को छोड सर्व पक्षीय आव्हान
सर्वपक्षीय पदाधिकारीयो ने बुलाया बंद

प्रतिनिधी - सालेकसा नगरपंचायत यह अनेक बार विविध विषयो को लेकरं चर्चा मे रही है।नगरपंचायत सालेकसा फिर एक विवाद मे फसी हुई दिख रही है। दि ९-१०-२०२१ को सालेकसा नगरपंचायत के नगरसेवक व नगरसेविका इन के शिकायत पर सालेकसा पोलीस स्टेशन मे मुख्याधिकारी व प्रशासकीय अधिकारी वैसे ही बांधकाम सभापती के विरोध मे जातीवाचक गाली- गलोच व विनयभंग की सालेकसा पोलीस स्टेशन मे शिकायत पर गुन्हा दर्ज किया गया है।किंतु संबंधित आरोपीयो पर कठोर कारवाई नही की गयी वैसे ही अटक भी नही किया गया।इस लिये संबंधितो पर जब तक अटक व योग्य कारवाई नही की जाती तब तक आज से अनिश्चित काल के लिये सालेकसा बंद व आमरण उपोषणच का भारतीय जनता पार्टी को छोड कर सर्वपक्षीय आव्हान पत्रकार परिषद के माध्यम से आव्हान किया गया।

पत्रकार परिषद मे नगरपंचाय के उपाध्यक्ष प्रल्हाद वाढई, गट नेता व नगर सेवक कृष्णा भसारे, तालुका कांग्रेस अध्यक्ष वासुदेव चुटे, राष्ट्रवादी कांग्रेसचे जिल्हा उपाध्यक्ष लक्ष्मण नागपुरे, शिवसेना जिल्हा उपाध्यक्ष सोहनलाल क्षीरसागर, तालुका शिवसेना प्रमुख कुलतारसिंग भाटिया,शिवसेना सचिव अनिल सेन्द्रे,व्यापारी संघटन के तालुकाध्यक्ष दौलत अग्रवाल, मनसे अध्यक्ष ब्रजभूषण बैस, गावकरी विनय शर्मा, विजय फुंडे, कैलास अग्रवाल, दिवाकर सोनवणे, रमेश फुंडे, हिरालाल साठवणे,संदिप अग्रवाल, योगेश असाठी, रमेश अग्रवाल, सुरेंद्र असाटी,रवी चुटे,राजेश भास्कर व अन्य गावकरियो ने पत्रकार परिषदेत सालेकसा बंद का निर्णय लिया गया।

आजादी अमृत महोत्सव पर प्रशिक्षु पायलटों ने लगाई दौड़

बिरसी विमानतल डायरेक्टर बैजू के. वि. ने दिखाई हरी झंडी

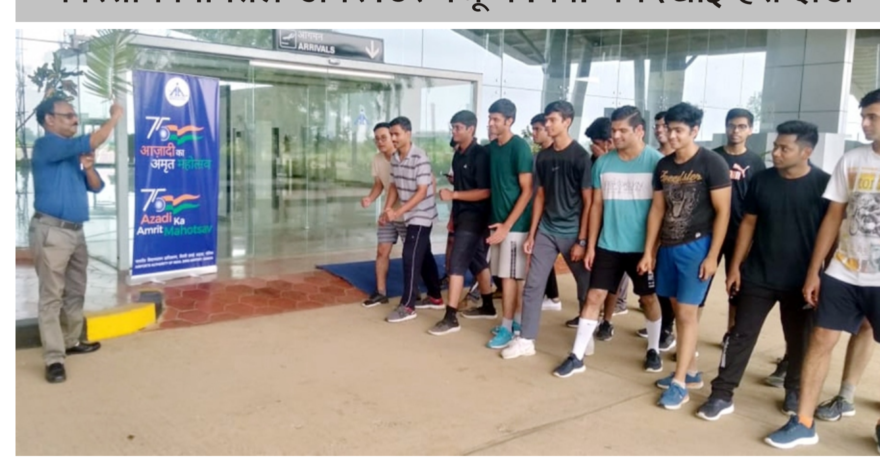

संवाददाता। खातिया (गोंदिया) - बिरसी विमानतल पर ७५ वे आजादी अमृत महोत्सव के अवसर पर २ अक्टूबर गांधी जयंती व लाल बहादुर शास्त्री जयंती के निमित्ता बिरसी विमानतल व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकैडमी के संयुक्त तत्वावधान में बिरसी विमानतल से लेकर नियाटम तक ३रु५ किलोमीटर की दौड़ का कार्यक्रम रखा गया व फिट इंडिया फ्रीडम रन का नारा दिया गया। इस अवसर पर बिरसी विमानतल के डायरेक्टर बैजू के.वि. प्रशिक्षु पायलटों की इस दौड़ को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया । इस अवसर पर प्रमुख रुप से इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी के नोडल अधिकारी कैप्टन बरनी शंकर, बिरसी विमानतल प्रभारी सहायक पोलीस निरीक्षक गणपत धायगुडे, आदि प्रमुखता से उपस्थित थे। इस दौरान दौड़ कार्यक्रम मे २५ प्रशिक्षु पायलटों का समावेश था कैप्टन बरनी शंकर ने जानकारी देते हुए बताया कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकैडमी रायबरेली द्वारा ७५ वे आजादी अमृत महोत्सव के उपलक्ष पर अमेठी स्थित प्रशिक्षण केंद्र पर भी विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है । कार्यक्रम के अवसर पर बिरसी विमानतल के सुरक्षा कर्मचारियों सह अन्य लोगों द्वारा भी सहयोग प्रदान किया गया।

गांधी व शास्त्रीजी की जयंती पर सातबारा का वितरण

संवाददाता - भारत देश को स्वतंत्रता मिले ७५ वर्ष हो गये है। पुरा देश अमृत महोत्सव मना रहा है। इस अमृत महोत्सव के अवसर पर एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा देश के पुर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की जयंती दिवस के उपलक्ष्य मे महाराष्ट्र सरकार कृषी मंत्री बालासाहेब थोरात ने किसानो के घर घर जाकर जमीन का ७/१२ देने की योजना प्रारंभ किया है ।

घर-घर सात बारा वितरण समारोह का आयोजन स्थानीय तहसिल कार्यालय मे तहसील कांग्रेस अध्यक्ष संजय बहेकार की अध्यक्षता मे तथा तहसीलदार डी.एस.भोयर, गोंदिया जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव इसुलाल भालेकर, तहसील महिला कांग्रेस अध्यक्षा सौ छब्बुताई उके, शंभुदयाल अग्रीका, संपतलाल सोनी, वाय.सी. भोयर के प्रमुख उपस्थिती मे किया गया। मुख्य अतिथि के हस्ते राष्ट्रपिता महात्मागांधी एवं पुर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री के तैल्यचित्र के समक्ष दिप प्रज्वलित व माल्यार्पण कर किसानो को सातबारा का वितरण किया गया।

इस अवसर अजय खेतान, प्रभाताई उपराडे, रामेश्वर शामकुवर, महेश उके, संतोष दुबे, गणेश हुकरे, गणेश रामटेके, बाबुराव कोरे, जयश्री पुडंकर, राधाकीशन चुटे, मंडल अधिकारी कमलेश पटले, बारसे, पटवारी टेकराम बिसेन, वरिष्ठ लिपिक बागडे कौशल हरीणखेडे, आशा बहेकार महसुलकर्मी छाया रहांगडाले, पुंडकर, बहेकार मॅडम तथा बडे पैमाने मे किसान व कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन लिपिक बिसेन ने किया।

आज की बात

तमंना मतलानी

बच्चों पर गलत संगत का असर, जिम्मेदार कौन..?

आज के इस ज्वलंत विषय की शुरुआत मैं एक कहावत से करना चाहूंगी, **पूत सपूत तो क्यों धन संचय, पूत कपूत तो क्यों धन संचय..?** कहने को तो यह कहावत बहुत पुरानी है परंतु आज के युग में इसके मायने अपना रंग दिखाने लगे हैं। आज के इस आधुनिक युग में धन कमाने और उसे संचित करने की एक अंधी दौड़-सी चल पड़ी है, हर एक व्यक्ति अधिक से अधिक धन एकत्रित करना चाहता है और इसमें उसे सफलता भी हासिल हो रही है।

यह बात तो हम सभी जानते ही हैं कि हमें जितना अधिक धन कमाना है उसके लिए परिश्रम भी उतना ही अधिक करना पड़ता है। धन कमाना भले ही कई लोगों को सरल लगता होगा परंतु उसी धन का संचय, उसका सही नियोजन अथवा उपयोग करना उतना सरल नहीं होता। घर के बढ़े-बुजुर्ग जितना अधिक परिश्रम करके धन को भावी पीढ़ी के लिए संजोकर रखना चाहते हैं, कुछ परिवार के बच्चे बिना कोई सोच विचार किए उसी धन का खर्च और बर्बादी अति तीव्रता से करते हैं।

आज के आधुनिक युग में माता-पिता अपने बच्चों को प्रत्येक सुख-साधन विरासत में देकर जाना चाहते हैं। अपने बच्चों की देखभाल करना या उनके भविष्य की चिंता करने में कोई बुराई नहीं है पर बच्चों को इतनी सुविधाएं भी मुहैया नहीं करवाना चाहिए कि वही बच्चे इन सुविधाओं का नाजायज फायदा उठाकर किसी बुरी संगत में ही न फंस जाए। आज के इस कोरोना काल में ऑनलाइन पढ़ाई के लिए हर बच्चे के हाथ में मोबाइल पहुंच गया है। आज सोशल मीडिया का युग है, बच्चे अध्ययन के साथ-साथ सोशल मीडिया का भी अंधाधुंध उपयोग करने लगे हैं। आज के बच्चे सही-गलत तथा अच्छे-बुरे सभी तथ्यों से परिचित हैं। कुछ बच्चे इसी सोशल मीडिया का उपयोग अपने ज्ञान के विकास के लिए करते हैं तो कुछ बच्चे सोशल मीडिया का गलत उपयोग करने में देर भी नहीं करते। सोशल मीडिया या गूगल पर असीमित खोज (सर्च) का दायरा है। सर्च करने की आजादी के कारण बच्चे अपना मनपसंद विषय ढूंढ ही लेते हैं। कई बार यह विषय गलत और तर्कहीन भी होते है, अत: बच्चों को एक सीमित दायरे के अंदर ही मोबाइल के उपयोग की आजादी दी जानी चाहिए क्योंकि कुछ बच्चे अधिक आजादी का नाजायज फायदा लेने में तनिक भी देर नहीं करते।

पिछले कुछ दिनों में मेरे संज्ञान में कुछ ऐसी बातें आयीं जिंहें देख-सुनकर ही यह लेख लिखने की प्रेरणा मुझे मिली। साथियों आज बदलते समय में दूसरों की देखादेखी के कारण कुछ बच्चे गलत संगत में फंसकर परिवार की मान मर्यादा एवं आर्थिक रुप से अत्यधिक नुकसान कर रहे हैं। क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल और अंय खेलों का नशा बच्चों और बड़ों पर भी सर चढ़कर तांडव कर रहा है ।

कई लोग तो इन खेलों के बहुत अधिक दीवाने होते हैं और ऐसे लोग अपनी मनपसंद टीम को बेपनाह प्रेम करते हैं, साथ ही उस टीम की जीत के लिए विभिंन शर्तें (जुआ का बदला हुआ स्वरुप) लगाने के लिए सदैव तैयार रहते हैं। कुछ लोगों ने तो इस प्रकार की जुआ को अपना व्यापार तक बना लिया है। कई लोग पागलपन की हद तक इन खेलों के शौकीन होते हैं, ये लोग खेलों के माध्यम से शर्तें लगाकर (जुआ) खेल को खेलते-खेलते अपने जीवन का ही सर्वनाश कर लेते हैं।

यह तो हुआ मैदानी खेलों का नशा, अब तो यह भी सुनने में आया है कि ऑनलाइन खेलों में भी विभिंन प्रकार की शर्तें लगाकर जुआ खेला जा रहा है। आइए, अब यह समझने का प्रयास करते हैं कि ऑनलाइन खेलों के माध्यम से बच्चे जुआ किस प्रकार खेल रहे हैं? जो लोग जुआ का खेल खिलवाते हैं वे लोग बच्चों से पैसे लेकर उन्हें उनके मनपसंद खेल की लिंक देते हैं और जिस प्रकार से मोबाइल में रिचार्ज करके हम मोबाइल का उपयोग करते हैं ठीक उसी प्रकार से ऑनलाइन खेलों में जितना पैसा लगाया जाता है उतना ही ऑनलाइन खेल बच्चों को खेलने के लिए मिलता है। बच्चे भी शान से अपने घर के बढ़े-बुजुर्गों के सामने मोबाइल में देर रात तक ऑनलाइन माध्यम से जुआ खेलते रहते हैं और माता-पिता को इसका पता भी नहीं चलता। घर के बड़ों को लगता है कि उनके बच्चे तो मोबाइल में खेल खेलकर अपना टाईमपास कर रहे हैं।

इस प्रकार के ऑनलाइन खेलों (जुआ) का नशा भी अंय नशों के समान ही खतरनाक होता है। व्यसन की आदत वाले लोग न केवल अपने शरीर को बर्बाद करते हैं अपितु शर्तों के रुप में छिपे हुए जुआ के शौकीन लोग सम्पूर्ण परिवार को ही बर्बादी के रास्ते पर ले जाते हैं। क्रिकेट में शर्तें लगाने के शौक में आज के दौर के बच्चे बहुत ही आसानी से फंस जाते हैं। इन शर्तों के नशे की आदत वाले बच्चे घर में चोरी करने में भी देर नहीं करते।

घर में से पैसे का बंदोबस्त न होने पर उधार के रुप में ये बच्चे अपने ऊपर कर्ज भी चढ़ा लेते हैं। अपने बच्चों को इस कर्ज से निकालने के लिए इनके माता-पिता स्वयं कर्ज के मकड़जाल में उलझ कर रह जाते हैं। कुछ बच्चे तो उधार के रुप में पैसे की व्यवस्था न होने पर बाहर से ब्याज पर पैसा चलाने वालों से १० प्रतिशत या कई बार तो २० प्रतिशत ब्याज की दर पर भी पैसा उठाकर विभिंन प्रकार के खेलों में शर्तें लगाने लगते हैं। हद तो तब हो जाती है जब कुछ बच्चे मोबाइल, गहने या घर के सामान भी गिरवी रखकर अपने जुआ के शौक को पूरा करते हैं।

आजकल तो इस प्रकार की जुआ का प्रचार टीवी में इस तरह का विज्ञापन देकर किया जा रहा है - **अपनी-अपनी टीम बनाकर खेलो..** इस प्रकार के आकर्षक विज्ञापन द्वारा खेलों के माध्यम से कोई नया ही खेल खेलने की आदत लगाई जा रही है। आपने इस बात पर भी ध्यान अवश्य ही दिया होगा कि इन विज्ञापनों में **अपने रिस्क पर खेलें, इसकी आदत पड़ सकती है, इसमें वित्तिय जोखिम शामिल है**, यह भी साफ व स्पष्ट शब्दों में समझाया जाता है पर कुछ नासमझ लोग और बच्चे जानबूझकर इस अंधे कुएं में कूदने के लिए तैयार खड़े रहते हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि इस प्रकार के विज्ञापनों का प्रचार सेलेब्रिटीज द्वारा किए जा रहे हैं और यह बात हम सभी जानते ही हैं कि बच्चे सेलेब्रिटीज को अपना आदर्श मानकर उनका अनुकरण करने में तनिक भी देर नहीं करते।

सुनने में तो यह भी आता है कि आयपीएल और अंय देशों में भी आयोजित विभिंन प्रकार के क्रिकेटलीग का कई लोगों ने गलत फायदा उठाया है। कई लोग इन प्रतियोगिताओं के आयोजन आरंभ होने पर क्रिकेट में शर्तें लगाने के लिए बच्चों को प्रलोभन देकर इस बुरी आदत का शिकार बना देते है। **जेंटलमेन गेम** कहे जाने वाले क्रिकेट जैसे प्रसिद्ध खेल को भी लोगों ने बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

इस प्रकार के गलत शौक के कारण ही कई संपंन परिवार आज तंगहाली या कंगाली की कगार पर पहुंच चुके हैं। इन खुशहाल परिवारों के बच्चों ने गलत संगत में पड़ कर अपने ही परिवार की यह दशा कर दी है।

अपने नौजवान बच्चों और छोटे बच्चों में यदि आप किसी भी प्रकार के खेलों के प्रति हद से बढ़कर दीवानगी देखते हैं तो एक बार जांच अवश्य करें कि कहीं उनका शौक जुआ खेलने या शर्तें लगाने में तो नहीं बदल गया है? अपने बच्चों को खर्च करने के लिए आवश्यकता से अधिक धन उपलब्ध न करवाएं, यदि बच्चा आवश्यकता से अधिक पैसों की मांग करता है तो उसके पीछे की वजह समझने का प्रयास अवश्य करें। घर के बच्चे जिससे भी दोस्ती रखते हैं उनकी पूरी जानकारी अपने पास अवश्य रखनी चाहिए क्योंकि हमने यह कहावत तो सुनी ही होगी कि **जैसा संग, वैसा रंग**।

उपरोक्त पंक्तियों में हमने बच्चों और कुछ परिवारों के बड़ो में भी शर्त लगाने अर्थात् जुआ खेलने की आदत के बारे में विस्तार से चर्चा की है, आइए अब हम बच्चों में बढ़ते नशे की आदत के बारे में भी कुछ चर्चा जरुर करें क्योंकि आज के बच्चों में नशे की आदत भी उनके बाल मानस पर अपनी जड़ें मजबूती से घर कर रही हैं।

स्कूल-कॉलेज के बच्चे कई बार गलत संगत के कारण सिगरेट, पानमसाला, गुटका, ड्रग्स, शराब व अंय भी कई प्रकार के व्यसन के शिकार हो रहे हैं। अब मन में एक सवाल अवश्य आएगा कि यह क्यों हो रहा है? कुछ हद तक इसके जिम्मेदार ऐसे माता-पिता होते हैं जो अपने बच्चों को जरुरत से अधिक या बेहिसाब पैसे खर्च करने के लिए मनमाना जेबखर्च देते हैं, साथ ही हर प्रकार की सुविधा जैसे महंगी गाड़ी, महंगा मोबाइल, कई बार तो बच्चे छोटी उम्र में ही कार का उपयोग करते है। ये बच्चे दोस्तों के साथ सैर-सपाटे और होटलिंग तो करते ही हैं साथ ही एकांत स्थानों पर जाकर मदिरापान भी बड़े चाव से करने लग जाते है। बड़े शहरों में तो हुक्का बार भी खुलने लगे हैं, जहां छोटी उम्र के बच्चे अलग-अलग फ्लेवर वाले हुक्के बड़े शौक से पीने लगे है। इस प्रकार से न चाहते हुए भी अनेक व्यसन उनके शौक बनते जा रहे है।

आज की पीढ़ी में लगझरी लाइफ जीने की अभिलाषा अत्यधिक बढ़ गई है। धनवान परिवार के बच्चे तो अपनी-अपनी इच्छाओं की पूर्ति कर लेते हैं परंतु इनकी संगत में रहने वाले मध्यम वर्ग या गरीब परिवार के बच्चे अपने आपको हीन समझने लगते हैं और उच्च वर्गीय परिवार के बच्चों जैसा जीवन जीने की लालसा अपने मन में पालकर रखते हैं। बच्चों के मन की अमीरी वाली लालसा भी मध्यमवर्गीय परिवार के बच्चों के भटकाव का एक विशेष कारण है।

दोस्ती में ऊंच-नीच की भावना नहीं होती, बच्चे तो सभी मित्रों के साथ एक समान व्यवहार करते हैं परंतु मन की लालसाओं का क्या किया जा सकता है, लालसा तो अपने सपनों को पूरा करने के लिए सदा लालायित ही रहती है।

साथियों आज के इस विचार का मुख्य उद्देश्य किसी को भी डराना नहीं है, यहां तो केवल बच्चों की गलत संगत का परिवार पर होने वाले दुष्परिणामों को संज्ञान में रखकर इसके हल के लिए आपस में मिलकर चर्चा करना है। आज के विचार के माध्यम से मैं अनुरोध करना चाहूंगी हमें केवल आने वाली किसी भी प्रकार की मुसीबत से सावधान रहना है क्योंकि हमारी थोड़ी-सी भी असावधानी हमारे बच्चों को किसी भी जंजाल में फंसा सकती है।

अंत में मैं आप सभी से एक ही बात कहना चाहूंगी कि हमें अपने बच्चों के बालपन की उड़ान में परवरिश के साथ-साथ संस्कारों का बीजारोपण करना भी अत्यंत आवश्यक है। हमें अपने बच्चों की पढ़ाई के साथ ही उनके खेल, मोबाइल का उपयोग करना, उठना-सोना, व्यापार में पिता की मदद करने संबंधी विभिंन कार्यों का नियोजन अवश्य करना चाहिए। यदि हम अपने बच्चों को बचपन से ही अच्छी आदतों का विकास करने का प्रयास करेंगे तो हम सभी का परिवार सुखी और सुसंस्कृत परिवार अवश्य कहलाएगा...

लाल बहादुर शास्त्री

जयंती : २ अक्टूबर

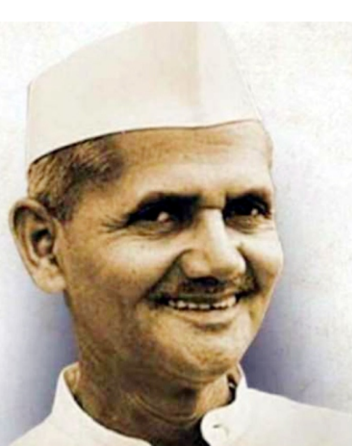

लालबहादुर शास्त्री (जंम २ अक्टूबर १९०४ मुगलसराय (वाराणसी), मृत्यु ११ जनवरी १९६६ ताशकंद, सोवियत संघ रुस), भारत के दूसरे प्रधानमंत्री थे। वह ९ जून १९६४ से ११ जनवरी १९६६ को अपनी मृत्यु तक लगभग अठारह महीने भारत के प्रधानमंत्री रहे। इस प्रमुख पद पर उनका कार्यकाल अद्वितीय रहा। शास्त्रीजी ने काशी विद्यापीठ से शास्त्री की उपाधि प्राप्त की। भारत की स्वतंत्रता के पश्चात शास्त्रीजी को उत्तर प्रदेश के संसदीय सचिव के रुप में नियुक्त किया गया था। गोविंद बल्लभ पंत के मंत्रिमंडल में उन्हें पुलिस एवं परिवहन मंत्रालय सौंपा गया। परिवहन मंत्री के कार्यकाल में उन्होंने प्रथम बार महिला संवाहकों (कण्डक्टर्स) की नियुक्ति की थी। पुलिस मंत्री होने के बाद उन्होंने भीड़ को नियंत्रण में रखने के लिये लाठी की जगह पानी की बौछार का प्रयोग प्रारम्भ कराया। १९५१ में, जवाहरलाल नेहरु के नेतृत्व में वह अखिल भारत कांग्रेस कमेटी के महासचिव नियुक्त किये गये। उन्होंने १९५७, १९५७ व १९६२ के चुनावों में कांग्रेस पार्टी को भारी बहुमत से जिताने के लिये बहुत परिश्रम किया।

जवाहरलाल नेहरु का उनके प्रधानमंत्री के कार्यकाल के दौरान २७ मई, १९६४ को देहावसान हो जाने के बाद साफ सुथरी छवि के कारण शास्त्रीजी को १९६४ में देश का प्रधानमंत्री बनाया गया। उन्होंने ९ जून १९६४ को भारत के प्रधानमंत्री का पदभार ग्रहण किया। उनके शासनकाल में १९६५ का भारत-पाक युद्ध शुरु हो गया। इससे तीन वर्ष पूर्व चीन का युद्ध भारत हार चुका था। शास्त्रीजी ने अप्रत्याशित रुप से हुए इस युद्ध में नेहरु के मुकाबले राष्ट्र को उत्तम नेतृत्व प्रदान किया और पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी। इसकी कल्पना पाकिस्तान ने कभी सपने में भी नहीं की थी। ताशकंद में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री अयूब खान के साथ युद्ध समाप्त करने के समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद ११ जनवरी १९६६ की रात में ही रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गयी। उनकी सादगी, देशभक्ति और ईमानदारी के लिये मरणोपरांत भारतरत्न से सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त जीवनी

लालबहादुर शास्त्री का जन्म १९०४ में मुगलसराय (उत्तरप्रदेश) में एक कायस्थ परिवार में मुंशी शारदाप्रसाद श्रीवास्तव के यहां हुआ था। उनके पिता प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे। अत: सब उन्हें मुंशीजी ही कहते थे। बाद में उन्होंने राजस्व विभाग में लिपिक (क्लर्क) की नौकरी कर ली थी। लालबहादुर की मां का नाम रामदुलारी था। परिवार में सबसे छोटे होने के कारण बालक लालबहादुर को परिवार वाले प्यार में नन्हें कहकर ही बुलाया करते थे। जब नन्हें अठारह महीने का हुआ दुर्भाग्य से पिता का निधन हो गया। उनकी मां रामदुलारी अपने पिता हजारीलाल के घर मिर्ज़ापुर चली गयी। कुछ समय बाद उसके नाना भी नहीं रहे। बिना पिता के बालक नन्हें की परवरिश करने में उसके मौसा रघुनाथ प्रसाद ने उसकी मां का बहुत सहयोग किया। ननिहाल में रहते हुए उसने प्राथमिक शिक्षा ग्रहण की। उसके बाद की शिक्षा हरिश्चंद्र हाईस्कूल और काशी विद्यापीठ में हुई। काशी विद्यापीठ से शास्त्री की उपाधि मिलने के बाद उन्होंने जन्म से चला आ रहा जातिसूचक शब्द श्रीवास्तव हमेशा-हमेशा के लिये हटा दिया और अपने नाम के आगे **शास्त्री** लगा लिया। इसके पश्चात् शास्त्री शब्द लालबहादुर के नाम का पर्याय ही बन गया।

१९२८ में उनका विवाह मिर्ज़ापुर निवासी गणेशप्रसाद की पुत्री ललिता से हुआ। ललिता और शास्त्रीजी की छ: संतानें हुईं, दो पुत्रियां कुसुम व सुमन और चार पुत्र हरिकृष्ण, अनिल, सुनील व अशोक। उनके चार पुत्रों में से दो अनिल और सुनील अभी हैं, शेष दो दिवंगत हो चुके हैं। अनिल शास्त्री कांग्रेस पार्टी के एक वरिष्ठ नेता हैं जबकि सुनील शास्त्री भारतीय जनता पार्टी के नेता हैं।

राजनीतिक जीवन

संस्कृत भाषा में स्नातकस्तर तक की शिक्षा समाप्त करने के पश्चात् वे भारत सेवक संघ से जुड़ गये और देशसेवा का व्रत लेते हुए यहीं से अपने राजनैतिक जीवन की शुरुआत की। शास्त्रीजी सच्चे गांधीवादी थे जिन्होंने अपना सारा जीवन सादगी से बिताया और उसे गरीबों की सेवा में लगाया। भारतीय स्वाधीनता संग्राम के सभी महत्वपूर्ण कार्यक्रमों व आंदोलनों में उनकी सक्रिय भागीदारी रही और उसके परिणामस्वरुप उन्हें कई बार जेलों में भी रहना पड़ा। स्वाधीनता संग्राम के जिन आंदोलनों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही उनमें १९२१ का असहयोग आंदोलन, १९३० का दांडी मार्च तथा १९४२ का भारत छोड़ो आंदोलन उल्लेखनीय हैं।

दूसरे विश्व युद्ध में इंग्लैंड को बुरी तरह उलझता देख जैसे ही नेताजी ने आजाद हिंद फौज को **दिल्ली चलो** का नारा दिया, गांधीजी ने मौके की नजाकत को भांपते हुए ८ अगस्त १९४२ की रात में ही बम्बई से अंग्रेजों को **भारत छोड़ो** व भारतीयों को **करो या मरो** का आदेश जारी किया और सरकारी सुरक्षा में यरवदा पुणे स्थित आगा खान पैलेस में चले गये। ९ अगस्त १९४२ के दिन शास्त्रीजी ने इलाहाबाद पहुंचकर इस आंदोलन के गांधीवादी नारे को चतुराई पूर्वक **मरो नहीं, मारो** में बदल दिया और अप्रत्याशित रुप से क्रांति की दावानल को पूरे देश में प्रचण्ड रुप दे दिया। पूरे ग्यारह दिन तक भूमिगत रहते हुए यह आंदोलन चलाने के बाद १९ अगस्त १९४२ को शास्त्रीजी गिरफ्तार हो गये।

शास्त्रीजी के राजनीतिक दिग्दर्शकों में पुरुषोत्तमदास टंडन और पण्डित गोविंद बल्लभ पंत के अतिरिक्त जवाहरलाल नेहरु भी शामिल थे। सबसे पहले १९२९ में इलाहाबाद आने के बाद उन्होंने टण्डनजी के साथ भारत सेवक संघ की इलाहाबाद इकाई के सचिव के रुप में काम करना शुरु किया। इलाहाबाद में रहते हुए ही नेहरुजी के साथ उनकी निकटता बढ़ी। इसके बाद तो शास्त्रीजी का कद निरंतर बढ़ता ही चला गया और एक के बाद एक सफलता की सीढियां चढ़ते हुए वे नेहरुजी के मंत्रिमण्डल में गृहमंत्री के प्रमुख पद तक जा पहुंचे। और इतना ही नहीं, नेहरु के निधन के पश्चात भारतवर्ष के प्रधानमंत्री भी बने।

प्रधानमंत्री

उनकी साफ सुथरी छवि के कारण ही उन्हें १९६४ में देश का प्रधानमंत्री बनाया गया। उन्होंने अपने प्रथम संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि उनकी शीर्ष प्राथमिकता खाद्यान मूल्यों को बढ़ने से रोकना है और वे ऐसा करने में सफल भी रहे। उनके क्रियाकलाप सैद्धांतिक न होकर पूर्णत: व्यावहारिक और जनता की आवश्यकताओं के अनुरुप थे। निष्पक्ष रुप से यदि देखा जाये तो शास्त्रीजी का शासनकाल बेहद कठिन रहा। पूंजीपति देश पर हावी होना चाहते थे और दुश्मन देश हम पर आक्रमण करने की फिराक में थे। १९६५ में अचानक पाकिस्तान ने भारत पर सायं ७-३० बजे हवाई हमला कर दिया। परम्परानुसार राष्ट्रपति ने आपात बैठक बुला ली जिसमें तीनों रक्षा अंगों के प्रमुख व मन्त्रिमण्डल के सदस्य शामिल थे। संयोग से प्रधानमंत्री उस बैठक में कुछ देर से पहुंचे। उनके आते ही विचार-विमर्श प्रारम्भ हुआ। तीनों प्रमुखों ने उनसे सारी वस्तुस्थिति समझाते हुए पूछा- **सर क्या हुक्म है?** शास्त्रीजी ने एक वाक्य में तत्काल उत्तर दिया, **आप देश की रक्षा कीजिये और मुझे बताइये कि हमें क्या करना है?** शास्त्रीजी ने इस युद्ध में नेहरु के मुकाबले राष्ट्र को उत्तम नेतृत्व प्रदान किया और जय **जवान-जय किसान** का नारा दिया। इससे भारत की जनता का मनोबल बढ़ा और सारा देश एकजुट हो गया। इसकी कल्पना पाकिस्तान ने कभी सपने में भी नहीं की थी।

भारत-पाक युद्ध के दौरान ६ सितम्बर को भारत की १५वी पैदल सैंय इकाई ने द्वितीय विश्व युद्ध के अनुभवी मेजर जनरल प्रसाद के नेत्तृत्व में इच्छोगिल नहर के पश्चिमी किनारे पर पाकिस्तान के बहुत बड़े हमले का डटकर मुकाबला किया। इच्छोगिल नहर भारत और पाकिस्तान की वास्तविक सीमा थी। इस हमले में खुद मेजर जनरल प्रसाद के काफिले पर भी भीषण हमला हुआ और उन्हें अपना वाहन छोड़कर पीछे हटना पड़ा। भारतीय थलसेना ने दूनी शक्ति से प्रत्याक्रमण करके बरकी गांव के समीप नहर को पार करने में सफलता अर्जित की। इससे भारतीय सेना लाहौर के हवाई अड्डे पर हमला करने की सीमा के भीतर पहुंच गयी। इस अप्रत्याशित आक्रमण से घबराकर अमेरिका ने अपने नागरिकों को लाहौर से निकालने के लिये कुछ समय के लिये युद्धविराम की अपील की।

आखिरकार रुस और अमरिका की मिलीभगत से शास्त्रीजी पर जोर डाला गया। उन्हें एक सोची समझी साजिश के तहत रुस बुलवाया गया जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। हमेशा उनके साथ जाने वाली उनकी पत्नी ललिता शास्त्री को बहला फुसलाकर इस बात के लिये मनाया गया कि वे शास्त्रीजी के साथ रुस की राजधानी ताशकंद न जायें और वे भी मान गयीं। अपनी इस भूल का श्रीमती ललिता शास्त्री को मृत्युपर्यंत पछतावा रहा। जब समझौता वार्ता चली तो शास्त्रीजी की एक ही जिद थी कि उन्हें बाकी सब शर्तें मंजूर हैं परंतु जीती हुई जमीन पाकिस्तान को लौटाना हरगिज़ मंजूर नहीं। काफी जद्दोजहेद के बाद शास्त्रीजी पर अंतर्राष्ट्रीय दबाव बनाकर ताशकंद समझौते के दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर करा लिये गये। उन्होंने यह कहते हुए हस्ताक्षर किये थे कि **वे हस्ताक्षर जरुर कर रहे हैं पर यह जमीन कोई दूसरा प्रधानमंत्री ही लौटायेगा, वे नहीं**। पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब ख़ान के साथ युद्धविराम के समझौते पर हस्ताक्षर करने के कुछ घण्टे बाद ११ जनवरी १९६६ की रात में ही उनकी मृत्यु हो गयी। यह आज तक रहस्य बना हुआ है कि क्या वाकई शास्त्रीजी की मौत हृदयाघात के कारण हुई थी? कई लोग उनकी मौत की वजह जहर को ही मानते हैं।

शास्त्रीजी को उनकी सादगी, देशभक्ति और ईमानदारी के लिये आज भी पूरा भारत श्रद्धापूर्वक याद करता है। उन्हें मरणोपरांत वर्ष १९६६ में भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

रहस्यपूर्ण मृत्यु

पाकिस्तान के आक्रमण का सामना करते हुए भारतीय सेना ने लाहौर पर धाबा बोल दिया। इस अप्रत्याशित आक्रमण को देख अमेरिका ने लाहौर में रह रहे अमेरिकी नागरिकों को निकालने के लिए कुछ समय के लिए युद्धविराम की मांग की। रुस और अमेरिका के चहलकदमी के बाद भारत के प्रधानमंत्री को रुस के ताशकंद समझौता में बुलाया गया। शास्त्री जी ने ताशकंद समझौते की हर शर्तों को मंजूर कर लिया मगर पाकिस्तान जीते इलाकों को लौटाना हरगिज स्वीकार नहीं था। अंतर्राष्ट्रीय दवाब में शास्त्री जी को ताशकंद समझौते पर हस्ताक्षर करना पड़ा पर लाल बहादुर शास्त्री ने खुद प्रधानमंत्री कार्यकाल में इस जमीन को वापस करने से इंकार कर दिया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री अयूब खान के साथ युद्ध विराम पर हस्ताक्षर करने के कुछ घंटे बाद ही भारत देश के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का संदिग्ध निधन हो गया। ११ जनवरी १९६६ की रात देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री की मृत्यु हो गई।

ताशकंद समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद उसी रात उनकी मृत्यु हो गयी। मृत्यु का कारण हार्ट अटैक बताया गया। शास्त्रीजी की अंत्येष्टि पूरे राजकीय सम्मान के साथ शांतिवन (नेहरुजी की समाधि) के आगे यमुना किनारे की गयी और उस स्थल को विजय घाट नाम दिया गया। जब तक कांग्रेस संसदीय दल ने इंदिरा गांधी को शास्त्री का विधिवत उत्ताराधिकारी नहीं चुन लिया, गुलजारी लाल नंदा कार्यवाहक प्रधानमंत्री रहे।

शास्त्रीजी की मृत्यु को लेकर तरह-तरह के कयास लगाये जाते रहे। बहुतेरे लोगों का, जिनमें उनके परिवार के लोग भी शामिल हैं, मानते है कि शास्त्रीजी की मृत्यु हार्ट अटैक से नहीं बल्कि जहर देने से ही हुई। पहली इंक्वायरी राज नारायण ने करवायी थी, जो बिना किसी नतीजे के समाप्त हो गयी ऐसा बताया गया। मजे की बात यह कि इण्डियन पार्लियामेण्ट्री लाइब्रेरी में आज उसका कोई रिकार्ड ही मौजूद नहीं है। यह भी आरोप लगाया गया कि शास्त्रीजी का पोस्टमार्टम भी नहीं हुआ। २००९ में जब यह सवाल उठाया गया तो भारत सरकार की ओर से यह जबाव दिया गया कि शास्त्रीजी के प्राइवेट डॉक्टर आर-एन-चुघ और कुछ रुस के कुछ डॉक्टरों ने मिलकर उनकी मौत की जांच तो की थी परंतु सरकार के पास उसका कोई रिकॉर्ड नहीं है। बाद में प्रधानमंत्री कार्यालय से जब इसकी जानकारी मांगी गयी तो उसने भी अपनी मजबूरी जतायी।

शास्त्रीजी की मौत में संभावित साजिश की पूरी पोल आउटलुक नाम की एक पत्रिका ने खोली। २००९ में, जब साउथ एशिया पर सीआईए की नज़र (अंग्रेजी : CIA's Eye on South Asia) नामक पुस्तक के लेखक अनुज धर ने सूचना के अधिकार के तहत मांगी गयी जानकारी पर प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से यह कहना कि, **शास्त्रीजी की मृत्यु के दस्तावेज़ सार्वजनिक करने से हमारे देश के अंतर्राष्ट्रीय सम्बंध खराब हो सकते हैं तथा इस रहस्य पर से पर्दा उठते ही देश में उथल-पुथल मचने के अलावा संसदीय विशेषधिकारों को ठेस भी पहुंच सकती है। ये तमाम कारण हैं जिससे इस सवाल का जबाव नहीं दिया जा सकता।**

सबसे पहले सन् १९७८ में प्रकाशित एक हिंदी पुस्तक **ललिता के आंसू** में शास्त्रीजी की मृत्यु की करुण कथा को स्वाभाविक ढंग से उनकी धर्मपत्नी ललिता शास्त्री के माध्यम से कहलवाया गया था। उस समय (सन् १९७८ में) ललिताजी जीवित थीं। यही नहीं, कुछ समय पूर्व प्रकाशित एक अन्य अंग्रेजी पुस्तक में लेखक पत्रकार कुलदीप नैयर ने भी, जो उस समय ताशकंद में शास्त्रीजी के साथ गये थे, इस घटना चक्र पर विस्तार से प्रकाश डाला है। गत वर्ष जुलाई २०१२ में शास्त्रीजी के तीसरे पुत्र सुनील शास्त्री ने भी भारत सरकार से इस रहस्य पर से पर्दा हटाने की मांग की थी। **मित्रोखोन आर्काइव** नामक पुस्तक में भारत से संबधित अध्याय को पढ़ने पर ताशकंद समझौते के बारे में एवं उस समय की राजनीतिक गतिविधियों के बारे में विस्तरित जानकारी मिलती है।

संपादकिय

आंकड़े और हकिकत

इन दिनों खाद्य वस्तुओं और फल-सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं, उसका बड़ा कारण पेट्रोल-डीजल महंगा होना ही है। कहने को आंकड़ों में खुदरा महंगाई दर भी नीचे आई है, पर बाजार में चीजें तो महंगी ही मिल रही है। ऐसे में कैसे माना जाए कि महंगाई से अब राहत मिल रही है।

थोक महंगाई के जो ताजा आंकड़े आए हैं वे आम आदमी को तो राहत देने वाले नहीं कहे जा सकते। थोक महंगाई अभी भी दो अंकों में बनी हुई है। बस तसल्ली की बात इतनी है कि अगस्त के मुकाबले इसमें थोड़ी कमी आई है। अगस्त में थोक महंगाई दर ११.३९ फीसद थी जो सितंबर में १०.६६ फीसद दर्ज की गई। इस बार महंगाई में गिरावट का कारण खाद्य वस्तुओं के दाम में कमी आना बताया गया है। पर हकीकत में ऐसा दिखने में आ कहां रहा है? पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस से लेकर दूध, खाने-पीने की चीजें, सब्जियां, फ्ल आदि के आसमान छूते दामों ने आम आदमी के लिए गंभीर संकट पैदा कर दिया है।

ऐसे में यह कहना ज्यादा उपयुक्त होगा कि महंगाई सिर्फ आंकड़ों में नीचे आ रही है, जबकि जमीनी हकीकत कहीं अलग है। सरकार के लिए आंकड़ों में थोक महंगाई में गिरावट राहत की बात इसलिए हो सकती है कि मई में यह १३.११ फीसद के स्तर पर थी, उसमें अब कमी आ गई है। अगर महंगाई में वाकई कमी आती है तो उसका असर भी दिखना चाहिए। लेकिन ऐसा दिखने में आ नहीं रहा।

गौरतलब है कि पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के लगातार बढ़ते दामों ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। तेल कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बढ़ने का तर्क देते हुए लगभग रोजाना ही दाम बढ़ा रही हैं। ज्यादातर शहरों में इस वक्त पेट्रोल और डीजल दोनों सौ रुपए लीटर के पार बिक रहे हैं। यह सिलसिला लंबे से चल रहा है। फिर इन दोनों उत्पादों के दाम बढ़ने का असर हर चीज की लागत पर पड़ता है। कच्चे माल से लेकर तैयार उत्पाद तक की ढुलाई महंगी होती जाती है और आखिरकार पैसा उपभोक्ता की जेब से ही निकलता है।

महंगाई से बढ़ती मुश्किलें

इन दिनों खाद्य वस्तुओं और फ्ल-सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं, उसका बड़ा कारण पेट्रोल-डीजल महंगा होना ही है। कहने को आंकड़ों में खुदरा महंगाई दर भी नीचे आई है, पर बाजार में चीजें तो महंगी ही मिल रही है। ऐसे में कैसे माना जाए कि महंगाई से अब राहत मिल रही है। आम आदमी के लिए तो महंगाई से राहत का मतलब यह होता है कि आंकड़ों में महंगाई घटने के साथ-साथ उसकी जेब से पैसे निकलने की दर में भी कमी आए।

ऐसा नहीं कि पेट्रोल और डीजल के बढ़ते दाम और इसके कारण होने वाली महंगाई ही संकट का कारण बनी हुई है। खाद्य तेलों के दामों ने भी खासा बजट बिगाड़ा है। रसोई गैस के दाम जिस तेजी से बढ़ते जा रहे हैं, वह और भी चिंताजनक है। चाहे गैस सिलेंडर हो या पाइप के जरिए आपूर्ति की जाने वाली गैस, दोनों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। रसोई गैस सिलेंडर इस साल जनवरी से हर महीने पच्चीस-पच्चीस रुपए महंगा होता रहा है। पांच किलो वाला सिलेंडर पांच सौ के पार चला गया है।

व्यावसायिक इस्तेमाल वाला सिलेंडर भी महंगा होता जा रहा है। जाहिर है होटल, रेस्टोरेंट जैसी जगहों पर भी खाने-पीने की चीजें महंगी होती जाएंगी। गैस की दामों में बढ़ोतरी का जैसा रुख बना हुआ है, उसे देखते हुए तो भविष्य में इसके दाम कम होना तो दूर, थमने की भी उम्मीद नहीं भी नहीं लग रही। सरकार साफ कह चुकी है कि पेट्रोल, डीजल और गैस के बढ़ते दामों को रोक पाना फ्लिहाल उसके बस में है नहीं। ऐसे में आंकड़ों में ही महंगाई कम होने से खुश हुआ जा सकता है, भले आम जनता कराहती रहे।

यूपीएससी परीक्षा में सफलता प्राप्त करने पर दिव्या गुंडे को युवा जागृति ने क्या सम्मानित

गोंदिया – वर्तमान में गोंदिया निवासी कुमारी दिव्या गुंडे जो गोंदिया की जिलाधिकारी नयना गुंडे व अर्जुन गुंडे की सुपुत्री है। जिन्होंने अखिल भारतीय यूपीएससी परीक्षा की मेरिट लिस्ट में ३३८ व स्थान प्राप्त किया है। जिससे गोंदिया जिला गौरवान्वित हुआ है। इस अवसर पर भारत सरकार द्वारा अनेकों राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित युवा जागृति संस्था द्वारा कुमारी दिव्या गुंडे को पुष्पगुच्छ व सम्मान पत्र देकर सत्कार किया गया। इस अवसर पर युवा जागृति द्वारा किए जाने वाले कार्यो की जानकारी संस्था अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल द्वारा जिलाधिकारी नयना गुंडे को दी। जिलाधिकारी नयना गुंडे का स्वागत सुब्रत पाल व दिव्या गुंडे का स्वागत महबूब ईरानी ने किया इस अवसर पर राजेश बंसोड़, विष्णु शर्मा, प्रकाश तिडके उपस्थित थे।

मनसे ने भी किया सत्कार

गोंदिया - महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के महासचिव हेमंत गडकरी के गोंदिया जिले के दौरे के दौरान जिलाधिकारी कार्यालय में पहुंचकर जिलाधिकारी नयना गुंडे व उनकी पुत्री कुमारी दिव्या गुंडे से मुलाकात की व केंद्रीय लोक सेवा आयोग यूपीएससी की परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर उनकी सराहना की तथा महाराष्ट्र में अधिकारी के रुप में राज्य की सेवा के लिए शुभकामनाएं दी ।इस अवसर पर मनसे महासचिव हेमंत गडकरी, विदर्भ व प्रदेश अध्यक्ष आदित्य दुर्गकर, जिलाध्यक्ष मनीष चौरागढ़े, हेमंत लिल्हारे, मुकेश मिश्रा, सुरेश ठाकरे, राजेश नागौसे से व अन्य मनसे के कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित थे। जिलाधिकारी नयना गुंडे द्वारा मनसे पदाधिकारियों द्वारा अभिनंदन किए जाने पर आभार व्यक्त कर धन्यवाद दिया।

गांव में स्थायी स्वच्छता बनाए रखने की जिम्मेदारी सभी की है - पाटिल

गोंदिया – संत गाडगे बाबा ग्रामस्वच्छता अभियान के दौरान गांव को पुरस्कार दिलाने में सभी ग्राम पंचायतें शामिल हैं. तथापि, ग्राम पंचायत द्वारा अभियान अवधि की निरंतरता बनाए रखी जानी चाहिए। जिला परिषद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनिल पाटिल ने सभी से गांव में स्थायी स्वच्छता रखने के प्रयास करते हुए गांव को रोग मुक्त बनाने की अपील की।

२ अक्टूबर को संत गाडगे बाबा ग्राम स्वच्छता अभियान के तहत स्वच्छता और सेवा के अमृत महोत्सव और राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज स्वच्छ ग्राम प्रतियोगिता के अवसर पर जिला स्तरीय पुरस्कार के साथ-साथ हगंनदारी मुक्त करने वाली ग्राम पंचायतों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष के रुप मार्गदर्शन करते हुए बोल रहे थे। उप मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सामान्य) एवं जल एवं स्वच्छता अधिकारी नरेश भंडारकर, उप मुख्य कार्यपालन अधिकारी पंचायत राजकुमार पुराम, जिला पशुपालन अधिकारी डॉ. पटले, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी संजय गनवीर, शिक्षा अधिकारी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत संत गाडगे बाबा, राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के तेल चित्रों पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर वर्ष २०१८-१९ में केंद्रीय संत गाडगे बाबा ग्राम स्वच्छता अभियान के तहत प्रथम पुरस्कार पाने वाले देवरी तहसील के भागी ६ शि, अर्जुनी मोरगांव तहसील के सिरेगांवबंध को द्वितीय पुरस्कार और गोरेगांव तहसील की सटवा ग्राम पंचायत को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।इसी तरह, गोरेगांव तहसील की कटंगी ग्राम पंचायत, अर्जुनी मोरगांव तहसील, देवलगांव, तिरोड़ा तहसील की नवेजरी ग्राम पंचायत, गोरेगांव तहसील की बबई, पुरगांव और नानवा ग्राम पंचायतों का प्रशंसापत्रों से अभिनंदन किया गया. इसी तरह कटंगी, बाबई, सिरेगांवबंध, नवेजरी और पंजरा की ग्राम पंचायतों को ग्राम पंचायत को और अधिक कचरा मुक्त बनाने के लिए सम्मानित किया गया.

प्रारंभ में विद्यालय विशेषज्ञ भागचंद्र रहांगडाले ने संत गाडगे बाबा ग्रामस्वच्छता अभियान के संबंध में श्रोताओं का विस्तृत मार्गदर्शन किया । दिशा मेश्राम ने हगंनदारी मुक्त संदर्भों में मार्गदर्शन प्रदान किया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने उपस्थित सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उप मुख्य कार्यपालन अधिकारी जल एवं स्वच्छता नरेश भंडारकर ने अपने परिचियात्मक भाषण में सभी ग्राम पंचायतों से जल एवं स्वच्छता गतिविधियों में भाग लेकर अपने गांव को रोग मुक्त बनाने की अपील की. उप मुख्य कार्यपालन अधिकारी पंचायत राजकुमार पुराम ने भी विस्तृत मार्गदर्शन दिया।

धोटे बंधु साइंस कॉलेज, गोंदिया द्वारा किया गया पौधरोपण

गोंदिया – वनस्पति विज्ञान विभाग, धोटे बंधु साइंस कॉलेज, गोंदिया ने हिरवाल एनजीओ और महाराष्ट्र वन विभाग, गोंदिया के साथ २६ सितंबर २०२१ को फतेहपुर गांव के पास पौधरोपण किया गया । वन विभाग गोंदिया ने पौधरोपण के लिए पौधे दिये। ईमली, कटहल, आम, पिंपल, सेलवट आदि सहित विभिन्न पौधों के ६० पौधे का वृक्षारोपण किया गया ।

कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. अंजन नायडू के मार्गदर्शन में किया गया। जिसमे रुपेश निम्बर्टे, निदेशक, एनजीओ हिरवल ने विद्यार्थियों को पौधरोपण पर मार्गदर्शन किया। वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. महेश कावले, डॉ. प्रशांत शहारे और डॉ.के.पी. घोषाल, प्रो. अमोल बडोले ने कार्यक्रम की सफलता के लिए कड़ी मेहनत की।

वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान हिरवल के सदस्य विक्की शहारे और उनकी टीम ने छात्रों की मदद की। वनस्पति विज्ञान विभाग के छात्रों एवं प्राध्यापकों ने कार्यक्रम को सुचारु रुप से चलाने में सहयोग के लिए वन विभाग के पदाधिकारियों एवं एसीएफ प्रदीप पाटिल सर का धन्यवाद किया।

साप्ताहिक राशिफल

मेष : धन संबंधित मामलों के लिए समय अनुकूल चल रहा है, जल्द ही कोई आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। अपनी पसंदीदा चीजों पर खर्चा करना संतोषजनक साबित होगा। घर के कामों में मदद करने के आपके स्वभाव की सभी तारिफ करेंगे। संतुलित आहार और नियमित व्यायाम अधिकांश शारीरिक बीमारियों को दूर रखने में मददगार साबित होगा।

वृषभ : कार्यक्षेत्र पर अपने अधिकारों को बांटना काम करने का सही तरीका साबित होगा जिसके चलते आप पर काम का बोझ कुछ कम होगा। प्रोफेशनली अपने काम को लेकर सतर्क रहें और कोई भी गलती न छोड़ें। इस सप्ताह खुशखबरी आपका इंतजार कर रही है। शेयर मार्केट में खोया हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना है। सरप्राइज गिफ्ट और कैंडल लाइट डिनर से अपने साथी को प्रभावित करेंगे।

मिथुन : किसी खानदानी विरासत के मिलने में समय लग सकता है, इसलिए खुद पर नियंत्रण रखें। प्रेम संबंधों के लिए समय थोड़ा कठिन चल रहा है। अपने साथी के साथ संबंधों को मजबूत करने की कोशिश करें। नवविवाहित जोड़े एक-दूसरे के साथ समय बिताकर अच्छा महसूस करेंगे। यात्राओं के योग बन रहे हैं। मनपसंद जगह घूमने का मौका मिल सकता है।

कर्क : समाज में आपके द्वारा किए गए प्रयासों की सभी सराहना करेंगे जिसके चलते आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी और पहचान मिलेगी। सैलरी में बढ़ोतरी के आपके अनुरोध को सहानुभूति के सुना जा सकता है। किसी को उधार दिया हुआ पैसा तुरंत वापस मिल जाएगा। पुराने दोस्तों से मिलकर और पुरानी यादें ताजा होंगी।

सिंह : किसी विशेष व्यक्ति से विदेश जाकर मिलने की इच्छा जल्दी ही पूरी होने की संभावना है। इस सप्ताह आप में से कुछ लोग प्रोफेशनली खुद को बेड़ियों में जकड़ा हुआ और असहाय महसूस कर सकते हैं, जो निराशाजनक साबित हो सकता है। किसी लोन को पास कराने में आ रहीं समस्याओं के चलते लोन का विचार छोड़ने की सोच सकते हैं। इस हफ्ते व्यवसाय करने वाले लोगों को विवेकपूर्ण तरीकों से खर्च करने की आवश्यकता है।

कन्या : कार्यक्षेत्र पर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के चलते उच्च अधिकारियों का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित करने में कामयाब होंगे। किसी सामाजिक काम के लिए पैसों का इंतजाम करने में मेहनत करनी पड़ सकती है। प्रॉपर्टी के किसी विवाद के चलते भाई-बहनों के खिलाफ खड़ा होने की संभावना है, इसलिए बेहतर होगा कि आप समय रहते ही इस समस्या का सौहार्दपूर्ण तरीके से समाधान ढूंढने की कोशिश करें।

तुला : धन संबंधित मामलों को लेकर सतर्क रहने की जरुरत है। इस सप्ताह धन संबंधित चली आ रही समस्या को सुलझाने के लिए समय देने की आवश्यकता होगी। माता-पिता या बुजुर्ग आप पर किसी ऐसे काम को करने का दबाव बना सकते हैं जिसे आप सहमत नहीं होंगे। थकान के चलते सुस्ती महसूस कर सकते हैं। आपका साथी इस सप्ताह कुछ समय अकेले रहना चाहते हैं, इसलिए उसकी भावनाओं का सम्मान करें। पढ़ाई में आपसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा सकती है।

वृश्चिक : पिछले किए गए किसी निवेश के अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है। यात्राओं पर जाने के योग बन रहे हैं। शहर से बाहर परिवार के साथ किसी यात्रा पर जाना मजेदार साबित होगा। कुछ खास हासिल करने का लक्ष्य रखने वालों को कोई नहीं रोक सकता। रोमांस के लिए ये सप्ताह संतोषजनक साबित होगा। अपने साथी के कैंडल लाइट डिनर पर जाकर रोमांचित महसूस करेंगे।

धनु : कोई ऑफिस में आपके कार्यभार को साझा करने की पेशकश कर सकता है। प्रेम संबंधों के लिए समय अनुकूल चल रहा है, अपने साथी के साथ समय बिताना और गिफ्ट देना संतोषजनक साबित होगा। विदेश यात्रा पर जाना मजेदार साबित होगा। रियल स्टेट से जुड़े लोग किसी अच्छी डील को करने में कामयाब होंगे। घर पर कुछ बदलावों के करने के आपके सुझाव का सभी लोग स्वागत करेंगे।

मकर : इस सप्ताह समाज में आपकी लोकप्रियता काफी बढ़ सकती है। करियर के लिए यह सप्ताह काफी उत्कृष्ट साबित होगा। करियर में तरक्की के योग बन रहे हैं। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलने की संभावना है। प्रेम संबंधों के लिए समय अच्छा रहेगा। एक-दूसरे के साथ समय बिताने से साथी के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। इस सप्ताह आपके शुभचिंतक आपका सहयोग करेंगे।

कुंभ : प्रोफेशनली ये सप्ताह आपके लिए उत्कृष्ट साबित होगा। धनलाभ के योग बन रहे हैं। कुछ समय पहले शुरु किए गए किसी व्यवसाय से लाभ मिलने की संभावना है। आप किसी ऐसे व्यक्ति का सही मार्गदर्शन करने में सफल होंगे, जो आप पर पूरा विश्वास कर रहा है। किसी पार्टी या समारोह के निमंत्रण से आपको लोगों से मिलने और अपने व्यावसायिक हितों को आगे बढ़ाने का अवसर मिल सकता है।

मीन : कार्यक्षेत्र पर किसी मुश्किल समस्या का समाधान करने से आपकी प्रतिष्ठा में इजाफा होगा। यात्राओं से अच्छा व्यापार मिलने की संभावना है। इस सप्ताह आर्थिक रुप से आप खुद को बेहतर स्थिति में पाएंगे। घर का माहौल शांत और खुशनुमा रहेगा। दोस्तों और करीबियों के आपके घर आने से घर की रौनक बढ़ेगी। प्रेम संबंधों को लेकर ये सप्ताह संतोषजनक रहेगा।

महात्मा गांधी जयंती व लाल बहादुर शास्त्री जयंती मनाई गई

शिव छत्रपति बहुउद्देशीय

गोंदिया जिला क्रीड़ा संकुल मे शिव छत्रपति बहुउद्देशीय संस्था द्वारा गांधी जयंती व लालबहादुर शास्त्री जयंती मनाई गई जिसमे संकुल के वालीबॉल, बॉक्सिंग, कराते, एथलेटिक, तलवारबाजी, जम्प रोप के खिलाडी उपस्थित थे जिसमे एन आई एस कोच कृष्णा बाहेकर सर, बॉक्सिंग कोच विशालसिंग ठाकुर सर, कार्यक्रम संचालक विनेश फुंडे सर, तलवारबाजी कोच अंकुश गजभिये सर उपस्थित थे तथा आभार प्रदर्शन कराते कोच रविना बरेले ने किया।

आमगांव शहर कांग्रेस

शहर कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान मे सत्य अहिंसा के पुजारी. राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं जय जवान. जयकिसान नारे के जनक. भारत के पुर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्रीजी की जयंती नगर के गांधी चौक पर मनायी गयी। कांग्रेसीयोने महात्मा गांधी की प्रतिमा एवं लालबहादुर शास्त्रीजी के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण कर श्रध्दा सुमन अर्पित किया। इस अवसर पर गोंदिया जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव - इसुलाल भालेकर, शंभुदयाल अग्रीका,संपतलाल सोनी, तहसील कांग्रेस अध्यक्ष संजय बहेकार, तहसील महिला कांग्रेस अध्यक्षा - सौ.छबुताई उके . शहर महिला कांग्रेस अध्यक्षा - सौ. प्रभादेवी उपराडे, तहसील किसान कांग्रेस अध्यक्ष - गणेश हुकरे, महीला नेत्री.सौ.ममता पाऊलझगडे, महेश उके . वाय. सी. भोयर. रामेश्वर श्यामकुवर, हनिपभाई घांची, महावीर जैन, गणेश रामटेके, रितेश चुटे, राम केशरवाणी, येवकलाल उपराडे, सौ. पुष्पलता केशरवानी .मुन्ना बिल्लोरे . सेवानिवृत्ता शिक्षक - ज्ञानिराम बहेकार. आलोक असाटी. डॉ, हेमंत फुंडे. बड़ी संख्या मे कार्यकर्ता उपस्थित थे । संचालन - शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष - अजय खेतान, एवं आभार - संतोष (छननु) दुबे .ने माना।

पोद्दार इंटरनेशनल स्कूल गोंदिया

पोदार इंटरनेशनल स्कूल गोंदिया में

लालबहादुर शास्त्री जयंती एवं महात्मा गांधी जयंती हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई स मुख्य अतिथि के रुप में विद्यालय के प्राचार्य महेंद्र जगदाले,रवि जायसवाल (ए.ओ.सर), श्रीमती. सुमन खंडेलवाल (एच.एम.) उपस्थित थे स

कार्यक्रम का प्रारंभ सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन करके लाल बहादुर शास्त्री जी एवं महात्मा गांधी जी के फोटो को माल्यार्पण करके किया गया। तत्पश्चात हमारे देश के दोनों महापुरुषों के अतुल्यनीय योगदान को स्पष्ट करते हुए विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा भाषण प्रतियोगिता की गई। सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने भाषण प्रतियोगिता में हिस्सा लिए तथा लाल बहादुर शास्त्री एवं महात्मा गांधी के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। इसके पश्चात शाला के प्राचार्य महेंद्र जगदाले ने इस पावन अवसर पर अपना मनोगत व्यक्त किए तथा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आदर्शों पर चलने के लिए अभीप्रेरित किए। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा श्रमदान भी किया गया जिसमें सभी ने विद्यालय के परिसर की साफ सफाई किए तथा स्वच्छता के महत्व को आत्मसात किया। श्रमदान अपने आप में एक श्रेष्ठ मार्ग है इससे हमारा मानसिक एवं शारीरिक विकास नियमित रुप से हो जाता है। श्रमदान एक तरफ विश्व-बंधुत्व की भावना को प्रज्ज्वलित करता है तो दूसरी तरफ हमारे जीवन में ज्ञान का सच्चा प्रकाश भी फैलाता है । इसके साथ ही विद्यालय के सभी कर्मचारियों द्वारा पौधरोपण भी किया गया। विद्यालय के सभी कर्मचारियों द्वारा महात्मा गांधी की एक शार्ट फिल्म भी देखी गई। भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को विद्यालय के प्राचार्य महेंद्र जगदाले द्वारा सर्टिफिकेट तथा पुरस्कार भी दिया गया।

घरकुल लाभार्थियों के लिए खुशखबर
घरकुल के ऊपर भी बन सकेंगे नए आशियाने

महाआवास योजना का नया उपक्रम, लेकिन लाभार्थियों को जानकारी नहीं

गोंदिया - ग्राम विकास विभाग द्वारा महाआवास अभिया के तहत सभी के लिए घरकुल २०२२ यह योजना युद्धस्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों में चलाई जा रही है। लेकिन अधिकांश ऐसे लाभार्थी होते है, जिनके पास घरकुल निर्माण के लिए जगह नहीं होती। यदि होती है तो परिवार के अन्य सदस्य उसी पुराने मकान में निवास करते है। ऐसे लाभार्थियों के लिए महाआवास अभियान के तहत एक नया उपक्रम शुरु किया गया है। इस उपक्रम के तहत पुराने घरकुल के ऊपर भी नया घरकुल का निर्माण किया जा सकता है। लेकिन इस उपक्रम की जानकारी लाभार्थियों को नहीं होने के कारण घरकुल के ऊपर घरकुल का निर्माण नहीं कर पा रहे है। जबकि यह योजना केंद्र शासन ने कई महिनों पूर्व शुरु कर दी है।

शासन ने हाल ही में महाआवास अभियान योजना के तहत नया उपक्रम शुरु किया है। इस उपक्रम के तहत सभी लाभार्थियों को वर्ष २०२२ तक मकान निर्माण कराने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को पुरा करने के लिए विभाग की ओर से अभियान शुरु कर दिया है। इस उपक्रम के तहत लाभार्थियों के लिए एक राहत की खबर भी दी गई

है। जिसमें जानकारी दी गयी है कि जिस लाभार्थियों के पास आवास निर्माण के लिए जगह उपलब्ध नहीं है ऐसे लाभार्थी पुराने घरकुल के ऊपर घरकुल का निर्माण कर सकते है। इसके लिए दी गई शर्तों को पुरा करना आवश्यक है। जी२ बहुमंजिला ईमारत का भी निर्माण करने का प्रावधान है। इतना ही नहीं तो यदि एक से अधिक लाभार्थी होने पर तथा उन्हें जगह उपलब्ध नहीं होने पर गृह संकुल निर्माण कर सहकारी संस्था भी स्थापन कर सकते है।

घरकुल लाभार्थियों को निर्माण करने के लिए बैंक की ओर से ७० हजार रुपए का कर्ज भी लिया जा सकता है। लाभार्थियों के लिए नए-नए उपक्रम इस योजना के तहत शुरु किए गए है। किंतु इन उपक्रमों की जानकारी लाभार्थियों तक नहीं पहुंच पाने से वे इस उपक्रम से अनभिज्ञ है।

महाआवास का नया उपक्रम लाभार्थियों के लिए फायदेमंद

शासन निर्णय के तहत महाआवास अभियान ग्रामीण के तहत जिन लाभार्थियों के पास मकान निर्माण के लिए जगह उपलब्ध नहीं है ऐसे लाभार्थी पुराने आवास योजना के मकान के ऊपर मकान का निर्माण कर सकते है। लेकिन इसके लिए दिए गए नियम व शर्तों को पुरा करना आवश्यक होता है। इतना ही नहीं तो जिन लाभार्थियों को मकान के ऊपर मकान निर्माण करना हो तो उसके लिए मकान मालिक की अनुमति तथा संबंधित विभाग के अभियंता का प्रमाणपत्र होना जरुरी है।

– **डी. हरिणखेड़े**, प्रकल्प संचालक ग्रामीण विकास यंत्रणा गोंदिया

संत चरणदास की याद में मोहाड़ी में ग्राम स्वच्छता

२०९ प्रबोधनकार, कथाकार तथा कलाकार अर्पित करेंगे श्रद्धांजलि

गोरेगांव – वैराग्यशील संत चरणदास महाराज की याद में गोरेगांव तहसील के मोहाड़ी ग्राम में १२ अक्टूबर को ग्राम स्वच्छता अभियान चलाकर गोंदिया-भंडारा २०९ प्रबोधनकार, कथाकार, किर्तनकार, संगीतकार, कलाकार, गायक तथा अखिल भारतीय गुरुदेव सेवा मंडल विभिन्न कार्यक्रम लेकर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इस अवसर पर संगीत तज्ञ ग्रामगीता प्रवक्ता, प्रबोधनकार, कथावाचक, निर्मलदास सोनवाने द्वारा संत चरणदास महाराज के जीवन चरित्र पर प्रवचन करेंगे। वहीं ग्रामगीताचार्य जिला प्रचारक गुनीलाल बघेले, रुपलाल कावडे द्वारा मार्गदर्शन किया जाएगा। बताया गया है कि वैराग्यशील संत चरणदास महाराज इनका गोरेगांव

तहसील के मोहाड़ी ग्राम में जन्म हुआ।

अपने जीवनकाल में मांडोदेवी पावन भूमि पर कई वर्षो तक संत चरणदास महाराज ने तपस्या की। इस दौरान उन्होंने साधना प्राप्त कर राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज, संत कैकाडी महाराज के विचारों को आगे बढ़ाते हुए अनुयायी निर्माण किए। उनके अतुलनीय कार्य को देखते हुए गोंदिया एवं भंडारा जिले के २०९ कलाकारों द्वारा १२ अक्टूबर को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इस दौरान संपूर्ण मोहाड़ी ग्राम में रामधुन पर ग्राम की स्वच्छता की जाएगी। इस तरह की जानकारी ग्रामगीता प्रवक्ता संगीततज्ञ निर्मलदास सोनवाने द्वारा दी गई है।

पीएम आवास योजना से वंचित हजारों जरुरतमंद बेघरों को लाभ दिलाने
जल्द मिलेंगे केंद्रीय मंत्री गडकरी से विधायक अग्रवाल

कामठा में १ करोड़ १४ लाख के विविध विकास कार्यो के अवसर पर जनता को जताया भरोसा, मेरे प्रयास सदैव जनहित के लिए

गोंदिया – प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ हर बेघर, जरुरतमंद को प्राप्त हो इस हेतु विधायक बनते ही हमनें १ साल में १४ हजार आवास मंजूर कराएं। गोंदिया राज्य में पहला क्षेत्र है जहां इतने पैमाने में आवास मंजूर हुए। परंतु शासन द्वारा ष्ड सूची के बाद वर्ष २०१७ में जारी की गई प्रपत्र ष्ड सूची अंतर्गत जो सर्वे पंचायत समिति द्वारा कराया गया उसमें अनेक गलतियां की गई। यहां तक कि ग्राम पंचायत के सरपंच-उपसरपंच को विश्वास में नही लिया गया, जिस कारण गलत सर्वे के चलते हजारों लोग आवास योजना से वंचित हुए है।

विधायक विनोद अग्रवाल ने कहा, आज अनेक ग्राम पंचायतों से शिकायत प्राप्त हो रही है, उनकी शिकायत जायज है। पर अब इस त्रुटि को सही करने पुन: सर्वेक्षण कराना जरुरी हो गया है। ये कार्य केंद्र सरकार के ग्राम विकास मंत्रालय के अधीन होने से इस मामले को लेकर जल्द ही वे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर उन्हें ग्राम विकास मंत्रालय द्वारा पुन: सर्वेक्षण हेतु मांग करेंगे।

विधायक अग्रवाल ने कहा, वो जनता कें हितो लिए सदैव त्वतपर है। जरुरत पड़ी तो वे अनेकों ग्राम पंचायत के सरपंचों-उपसरपंचो के साथ नागपुर और दिल्ली जाकर इसके लिए संघर्ष करेंगे।

विधायक विनोद अग्रवाल ने कहा, कोविड संकट में भी हमनें इन दो सालों के कार्यकाल में कामठा क्षेत्र में ४५-५० लाख के विकास कार्य किये। अब जबकि सब सामान्य हो रहा है हमनें पुन: १ करोड़ १४ लाख के विकास कार्य मंजूर किये। मेरा प्रयास है कि अगले साल तक १ करोड़ रुपयों के और विकास कार्य हो।

उन्होंने कहा, कामठा से आमगांव का मार्ग अत्यंत दयनीय स्थिति में हो चुका है। मैं दिवाली तक इस मार्ग को हमेशा के लिए अच्छा करने हेतु प्रयासरत हूं। मेरा प्रयास ये भी है कि रावनवाड़ी, कामठा, आमगांव होते हुए ये मार्ग सालेकसा, दरेकसा होते छत्तीसगढ़ तक नेशनल हाइवे में तब्दील हो इस हेतु भी प्रयास जारी है।

इनकी रही उपस्थिति...

कामठा के वीर राजे चिमना बहादुर चौक में आयोजित कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के प्रभारी सरपंच प्रकाश सेवतकर, पुलिस पाटिल निर्मला नागपुरे, भाऊराव ऊके, मुनेश रहांगडाले, चेतालीताई नागपुरे, लखनभाऊ हरिनखेड़े, पृथ्वीराज नागपुरे, छत्रपाल तुरकर, विमुस अध्यक्ष महेश मस्करे, सावलराम महारवाडे, सुरेंद्र खरकाटे, मिलन पाथोडे, किशोर दुबे, शालिकराम हरिनखेड़े, अनिरुद्ध बिसेन, संगीताताई पाटील, भाजीपाले जी, रवि अग्रवाल, कैलाश कुंजाम, शंकर नारनवरे, अनिता ताई जगने, गुंी ताई सोनवाने, देवानंद महारवाडे, श्रमलन पाथोडे, प्रतीक पाथोडे, कविता ताई सोनवाने, अनिताताई सिंहमारे, प्रीति ताई गजभिये, असवंता ताई भेलावे, राधेश्याम मेंढे,गुड्डू सोनवाने, गणेश भेलावे, सूरज लिल्हारे, दिलीप जगने सहित अनेक ग्राम पंचायत कामठा के नागरिक उपस्थित रहे।

जेसीआई गोंदिया रॉयल की साधारण सभा आयोजित

गोंदिया - जेसीआई गोंदिया रॉयल की साधारण सभा का आयोजन कारड़ा कॉम्प्लेक्स मेन मार्केट गोंदिया में सम्पन्न हुई. सभा मे संस्था के आगामी कार्यक्रम पे चर्चा की गयीं, जेसीआई गोंदिया रॉयल द्वारा आगामी माह मे मेडिकल कैंप, वैक्सीनेशन कैंप और फॅमिली पिकनिक कार्यक्रम को फाइनल किया गया और आगामी कार्यक्रम के परियोजना निर्देशक का चयन कर उन्हें कार्यक्रम की जिम्मेदारी दी गयी। साधारण सभा में संस्थापक अध्यक्ष जेसी अमन कारड़ा, पूर्व अध्यक्ष जेसी हर्ष अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष जेसी भावना अग्रवाल, अंचल निर्देशक जेसी महेश थकरनी, जेसी पूजा तिवारी, जेसी महेश रवलनी, जेसी कुशल कोडवानी, जेसी मनीष डयानी, जेसी अशोक चेलानी, जेसी रोशन गलनी व अन्य जेसीस उपस्थित थे ।

भाजपा कार्यकर्ताओ का पुर्व विधायक जैन की उपस्थिती मे पक्ष प्रवेश

गोंदिया – सांसद प्रफुल पटेल जनसंपर्क कार्यालय, गोंदिया मे पूर्व विधायक राजेंद्र जैन की उपस्थिती मे गोरेगाव तहसील के भाजप कार्यकर्ता बबलू शोभिलाल भगत, टेमेश झुम्मकलाल पटले व प्रवीण मुकेश कोल्हे ने किया पक्ष प्रवेश। सांसद प्रफुल पटेल के नेतृत्व, विकासात्मक दृष्टिकोन एंव राष्ट्रवादी कांग्रेस की विचारधारा पर विश्वास रखकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पक्ष मे प्रवेश किया। पक्ष प्रवेशितों का राजेंद्र जैन ने पक्ष का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया एवं सभी राष्ट्रवादी कॉग्रेस पार्टी मे प्रवेशीत कार्यकर्ताओ का अभिनंदन कर व भविष्य की शुभकामना दी। इस अवसर पर पुर्व विधायक राजेंद्र जैन,देवेंद्रनाथ चौबे, केवल बघेले, सोमेश रहांगडाले, लालचंद चव्हाण, बाबा बोपचे, राजु एन जैन, चौकलाल येडे, सुरेंद्र रहांगडाले,भास्कर काठेवार सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर प्रभाग ९ में चलाया स्वच्छता अभियान

गोंदिया – राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर २ अक्टूबर को गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले प्रभाग क्रमांक ९ में स्वच्छता अभियान चलाने के साथ ही स्वच्छता पर जनजागृति की गई।

इस अवसर पर प्रभाग ९ के पार्षद जितेंद्र (बंटी) पंचबुद्धे, आनंद निरमोणी, तांडी साहब, बालचंद बिसेन, शैलेंद्र जैन, रमेश ठाकरे, शिवम लिल्हारे, प्रवीण फेडारकर, श्रीकांत व्यवहारे, अरविंद, संदीप, स्वामी शेदरे, तूफान दीप, देवराज महावत, भूपेंद्र, दुर्गादास, अश्विन ठाकरे, जग्गा पांडरे, पलाश नानवरे, आकाश गुरव, सोनू नेवारे, रजत चतुर्वेदी, दिनेश, लोकचंद रोकडे, यस, नीलेश आठवले, रितिक रामटेके तथा प्रभाग के अनेक वरिष्ठ गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

जीवनावश्यक वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी, सामान्य नागरिकों का जीवन हुआ मुश्किल- राजेंद्र जैन

गोंदिया - तिरोड़ा तहसील के अंतर्गत आने वाले सरांडी जिला परिषद क्षेत्र की राष्ट्रवादी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सभा महात्मा गांधी प्रतिमा के समीप केसलवाड़ा में पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, जिला अध्यक्ष विजय शिवनकर की प्रमुख उपस्थिति में आयोजित की गई। इस अवसर पर राजेंद्र जैन ने अपने संबोधन में कहा कि देश के युवाओं को रोजगार देने का आश्वासन देकर पकोड़े बेचने को रोजगार बताने वाली केंद्र सरकार सभी मोर्चे पर असफल साबित हुई है। सामान्य व्यक्ति के दैनिक जीवन में आने वाली सभी वस्तुओं की कीमतें आसमान पर पहुंच चुकी है। जिससे उनका जीवन दुष्कर हो चुका है। जिसके चलते भाजपा को सबक सिखाने के लिए जिला परिषद व पंचायत समिति के चुनाव में राष्ट्रवादी कांग्रेस के अधिक से अधिक उम्मीदवारों को विजयी करें। विजय शिवनकर ने कहा कि ग्रामस्तर पर बूथ समिति की स्थापना कर समाज के सभी घटकों का उसमें समावेश करें तथा युवाओं को अधिक से अधिक शामिल कर संगठन को मजबूत करें।

आयोजित सभा में पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, जिला अध्यक्ष विजय शिवनकर, प्रेमकुमार रहांगडाले, राजलक्ष्मी तुरकर, रविकांत बोपचे, कैलास पटले, योगेंद्र भगत, राजू एन. जैन, ओमकार लांजेवार, मनोज डोंगरे, सुनीता मडावी, जया धावडे, डॉ. किशोर पारधी, निता रहांगडाले, जितेंद्र पारधी, किरण बंसोड, संदीप मेश्राम, वा. टी. कटरे, नासीर धानीवाला, देवेंद्र चौधरी, मनोहर राऊत, रामसागर धावडे, जगदीश बावनथडे, राजू ठाकरे, चुन्नीलाल पटले, भूमेश्वर पारधी, बबन कुकडे, बालाराम साठवणे, इंदु कटरे, कोठीराम निशाणे, विठ्ठल बांते, डॉ. अनिल पटले, परशराम बिसेन, किशोर कुंभरे, राजू टेकाम, बालकदास कुंभरे, माया पडोले, आशिष चौधरी, भूमीता जिभकाटे, नत्थू बावनकर व सर्व बूथ पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इस अवसर पर प्रफुल पटेल के नेतृत्व व विकासात्मक दृष्टिकोण पर विश्वास रख ग्राम मनोरा के सरपंच राजेश पेशने अपने सैंकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ पक्ष प्रवेश किया। जिन्हे राजेंद्र जैन, विजय शिवनकर व उपस्थित मान्यवरों ने दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। तहसील राष्ट्रवादी कांग्रेस पक्ष ने कृष्णा मरघडे को ट्रायसिकल दी।

राज्य स्तरीय पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता के लिए जिले के खिलाड़ियों का चयन

गोंदिया - राज्य स्तरीय पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता जलगांव अलमनेर में आयोजित होने वाली है। इसके लिए गोंदिया जिला पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन द्वारा पावर जोन जिम, इंगले चौक में २७ सितंबर को खिलाड़ियों का सिलेक्शन ट्रायल लिया गया। जिसमें खिलाड़ियों ने बेंच प्रेस एवं डेड लिफ्ट इवेंट में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

उपरोक्त कार्यक्रम में एसोसिएशन के सचिव अविनाश बजाज, ऑर्गेनाइजड अध्यक्ष निखिल बरबटे, जीएससीडी फाउंडेशन सहसचिव व प्रवक्ता मुजीब बेग, फाउंडेशन के सचिव दीपक सिक्का, युवा एकता संस्था के सचिव कृतुराज यादव, पावर जोन जिम के कोच अनिल रामटेके, छोटू राहंगडाले, उड़ान एकेडमी का समावेश रहा। उपरोक्त ट्रायल में जिन प्रतियोगियों का चयन किया गया उसमें आमिर शेख गोरेगांव, प्रतीक टेंभूर्णीकर, निखिल चौधरी, तुषार भोंगाडे, संकल्प, गोपाल, अविनाश, सोनू यादव, हर्षल शेंडे, पियुष यादव राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में गोंदिया जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटिंग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।